मनेर शरीफ

चर्चा में क्यों?

बिहार के मुख्यमंत्री ने [मनेर शरीफ] में [हजरत मखदूम शाह कमालुद्दीन अहमद याहिया मनेरी] के 756वें उर्स में शामिल हुए।

मुख्य बिंदु

- **मनेर शरीफ के बारे में: पटना ज़िले में स्थित इस शहर का पुराना नाम मनियार मथान था जिसका अर्थ है संगीतमय शहर।**
  - **इस शहर में सूफी संत मखदूम याह्या मनेरी और मखदूम शाह दौलत की कब्रें हैं, जिन्हें बड़ी दरगाह (महान तीर्थस्थल) और छोटी दरगाह (छोटा तीर्थस्थल) के नाम से जाना जाता है।**
- **वर्ष 1616 में मखदूम शाह दौलत** को यहाँ दफनाया गया था और वर्ष 1619 में बिहार के शासक **इब्राहिम खान** ने यहाँ छोटी दरगाह का निर्माण करवाया था।
- **उर्स: बिहार सरकार के** पर्यटन **विभाग और ज़िला प्रशासन के सहयोग से प्रत्येक वर्ष मनेर दरगाह परिसर में मखदूम शाह की जन्मस्थली पर सालाना उर्स आयोजन किया जाता है।**

मखदूम याह्या मनेरी

- इन्हें मखदूम-उल-मुल्क बिहारी और मखदूम-ए-जहाँ के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म जुलाई 1264 ईस्वी को **पटना** के पास एक गाँव मनेर में हुआ था।
- इन्हें **अरबी, फारसी, तर्कशास्त्र, दर्शनशास्त्र, धर्म** और तसव्वुफ (**सूफीवाद**) की गहरी समझ थी।
- **फिरदौसी संप्रदाय** से संबंध रखने वाले इनके पिता मखदूम कमालुद्दीन याह्या मनेरी बिन इज़राइल बिन ताज फकीह अल-खलील (फिलिस्तीन) से थे, जो मनेर के एक **सूफी संत** थे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/maner-sharif